Merry Christmas
YOUNG INDIA > YOUNG TRUTH
NBT
नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली › गुरुवार, 25 दिसंबर 2014 › पौष 4 शक 1936 › पौष शुक्ल 4 विक्रम 2071 nbt.in पेज 20 › मूल्य 4.50 रु. या 8.50

कड़कड़ाती ठंड में भी फॉर्म लेने स्कूल पहुंच रहे हैं 70% पैरंट्स

नर्सरी : भरोसा 'ओनली ऑफलाइन'

■ भूपेंद्र, नई दिल्ली

दिल्ली में जबर्दस्त ठंड के बावजूद भी पैरंट्स सुबह- सुबह ही स्कूलों में फॉर्म लेने के लिए पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि कई स्कूलों की वेबसाइट पर भी फॉर्म डाउनलोड करने का ऑप्शन भी है, लेकिन पैरंट्स स्कूलों में जाकर फॉर्म लेना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। शुरुआती दिनों में रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को देखें, तो ऑफलाइन फॉर्म और डाउनलोड किए जाने वाले फॉर्म का रेश्यो 70:30 बन रहा है। नर्सरी के प्रोसेस को देखें तो स्कूलों की तीन तरह की कैटिगरी है। पहली कैटिगरी में वे स्कूल हैं, जहां केवल ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का ऑप्शन ही है। यानी ऑनलाइन फॉर्म ही फिल करना होगा और जनरल कैटिगरी के पैरंट्स को स्कूल जाने की जरूरत नहीं है। ऐसे स्कूलों की संख्या कम है। दूसरी कैटिगरी उन स्कूलों की है, जहां पर स्कूलों की वेबसाइट से फॉर्म डाउनलोड किए जा सकते हैं और फिर स्कूल में जमा करवाने होंगे। ऐसे स्कूलों की संख्या बहुत ज्यादा है। तीसरी कैटिगरी उन स्कूलों की है, जहां पर केवल ऑफलाइन फॉर्म मिल रहे हैं। पैरंट्स स्कूल की वेबसाइट से फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं, लेकिन वे स्कूल से ऑफलाइन फॉर्म लेना ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

> फॉर्म लेने की टाइमिंग भी कर रही है पैरंट्स को परेशान

Sher Singh Saini

कोहरे की वजह से पैरंट्स एक दिन में तीन से चार स्कूलों से ही फॉर्म ले रहे हैं

70 : 30 का रेश्यो : माउंट आबू स्कूल रोहिणी की प्रिंसिपल ज्योति अरोड़ा का कहना है कि स्कूल में आने वाले पैरंट्स की संख्या ज्यादा है। अभी तक जो फॉर्म जमा हुए हैं, उनमें वेबसाइट से डाउनलोड किए गए फॉर्म 30 पर्सेंट ही हैं। इसकी एक वजह पैरंट्स स्कूल का इंफ्रास्ट्रक्चर और स्कूल विजिट करना चाहते हैं। बीएसबीके इंटरनैशनल स्कूल रोहिणी के चेयरमैन एस. के. गुप्ता का कहना है कि हर रोज करीब 250 फॉर्म स्कूल काउंटर से सेल हो रहे हैं और ऑनलाइन फॉर्म 30 से 40 हैं। एम. एम. पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल रोमा पाठक के मुताबिक पैरंट्स स्कूल आकर ही फॉर्म लेना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल मयूर विहार में भी यही ट्रेंड है। भले ही पैरंट्स को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ऑप्शन मिल रहे हैं, लेकिन वे ऑफलाइन फॉर्म लेना ही ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

एफिडेविट बना टेंशन : एजुकेशन हेल्प डॉट इन के डायरेक्टर वीरेंद्र सिंह ने बताया कि द्वारका के कुछ स्कूल एफिडेविट की फोटोकॉपी नहीं मान रहे हैं। स्कूल वाले कह रहे हैं कि ओरिजिनल एफिडेविट जमा करवाएं। पैरंट्स अगर 25 से 30 स्कूलों में अप्लाई कर रहे हैं, तो उन्हें फिर 30 एफिडेविट बनवाने होंगे। उनका कहना है कि एडमिशन के समय पैरंट्स ओरिजिनल एफिडेविट मांग सकते हैं, लेकिन फॉर्म के साथ तो फोटोकॉपी ही जमा होनी चाहिए।

फॉर्म सेल की है अलग टाइमिंग

स्कूलों में अलग- अलग एडमिशन शेड्यूल तो पैरंट्स को परेशान कर ही रहा है और अब स्कूलों में फॉर्म की अलग- अलग टाइमिंग भी उनकी टेंशन बढ़ा रही है। जागरूक पैरंट्स असोसिएशन के सेक्रेटरी एम. पी. यादव बताते हैं कि कोई स्कूल तो सुबह 8 से 11 बजे तक फॉर्म दे रहा है, तो कोई 9 से 11 बजे तक। पैरंट्स की समस्या यह है कि कोहरा बहुत है और पैरंट्स एक दिन में तीन से चार स्कूलों से ही फॉर्म ले पा रहे हैं। पैरंट्स को ऑफिस से छुट्टी लेनी पड़ रही है।